भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2899

उत्तर देने की तारीख 13.08.2026

पुरालेखीय अभिलेखों की सुलभता

2899. डॉ. सतीश पूनिया :

श्री बृज लाल :

श्री लहर सिंह सिरोया :

डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 'अभिलेख पटल' प्लेटफॉर्म के ज़रिए राष्ट्रीय अभिलेखागार के डिजिटलीकरण और डिजिटल पुरालेख प्रबंधन संबंधी पहलों की कोई समीक्षा की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस प्लेटफॉर्म के तहत डिजिटलीकरण, मेटाडेटा मानकीकरण और डिजिटल पुरालेखीय संग्रह के विस्तार के संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पुरालेखीय अभिलेखों तक जनता की पहुँच को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल पहुँच, पुरालेखीय खोज क्षमताओं को मज़बूत करने और नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के उपाय किए गए हैं; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा प्रगति का आकलन करने, डिजिटल पहुंच को बढ़ाने, अभिलेखीय खोज और पुन: प्राप्ति सुदृढ़ करने तथा विश्व भर में अभिलेखीय रिकॉर्डों तक सार्वजनिक पहुंच में सुधार करने के लिए अपनी मानक प्रशासनिक प्रक्रिया के भाग के रूप में अभिलेख पटल पोर्टल (https://www.abhilekh-patal.in/) के माध्यम से डिजिटलीकरण

और कार्यान्वित की गई डिजिटल अभिलेखीय प्रबंध पहलों की आवधिक समीक्षा की जाती है।

(ग): 31 जुलाई, 2026 तक अभिलेख पटल पर उपलब्ध प्रगति आंकड़ों के अनुसार सार्वजनिक, निजी, ओरिएंटल, मानचित्रण अभिलेखीय रिकॉर्डों आदि के 22,64,82,832 पृष्ठों सहित 47,79,454 रिकॉर्डों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

(घ) और (ड.): अभिलेख-पटल पोर्टल के मौजूदा ढांचे में अतिरिक्त सुविधाओं और उभरती प्रौद्योगिकियों का एकीकरण एक सतत प्रक्रिया है और यह इसके प्रचालनात्मक विकास का एक भाग है, जो अभिलेखीय रिकॉर्डों तक सार्वजनिक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल सुलभता और अभिलेखीय खोज क्षमताओं को कवर करता है।

*****